



औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.- सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23.08.2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के अन्तर्गत “आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों” पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाबार्ड, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकों एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्ञवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने अपने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों की मूल्य शृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सीमैप के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित धारों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अन्तर्गत 36000 हेक्टेएर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा किया। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोधछात्र आदि उपस्थित थे।

फूलों से अगरबत्ती बनाने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कृषकों की आय को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित कृषक महिलाओं को सी.एस.आई.आर.- सीमैप, लखनऊ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा फूलों से अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस व्यापार को कम खर्च में प्रारम्भ किया जा सकता है।













औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बालजी दैनिक

प्रयागराज - भा.वा.अ.शि.प.-
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
तथा सी.एस.आई.आर.- सीमैप, लखनऊ
के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 अगस्त
2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा
मिशन परियोजना तथा सिडबी सह-
परियोजना के अन्तर्गत आर्थिक रूप से
महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों विषय
पर एक दिवसीय कौशल-सह-तकनीकी
प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र
की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला,
प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मुख्य
अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट
जनरल मैनेजर, नावार्ड, प्रयागराज, सीमैप
के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख
डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन के
साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह
ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम
पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन

परियोजना तथा सिडबी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उहोंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं संगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सञ्चोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की विष्ट वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विष्ट प्रधान वैज्ञानिक, सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने

सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु सदाबहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अमृतकाल संवाददाता ।

प्रथापराज

भा. वा. अ. छि.

परिस्थितिक युनर्नथापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्र वार को सी.एस.आई.आर.एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्डी सह परियोजना के अन्तर्गत हॉआर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पायोडोहङ्क विषय पर एक दिवसीय कौशल सभा

तकनीकी प्रशिक्षण

कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधाशाला, पड़िला में किया गया। कार्यक्रम इस प्रभारम् मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नवाबद्द, प्रयागराज से के प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संसिंह हों दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रधानमंत्री को सर्वोच्चत करते हुए कहा कि औषधीय और सूर्योदात पौधों की मूल

श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्पव होगा केन्द्र पमुख डॉ. सिंह ने स्वयंगत भाषण में आवोदित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्डी बॉर्ड परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं संगंध पौधों

की खेती के पृथि
जागरूक करना तथा
उनकी आय में बढ़ि
करना तथा कौशल
विकास के माध्यम से
आय में बढ़ोत्तरी के
अवसर प्रदान करना है।
केन्द्र की विराज वैज्ञानिक
डॉ. अनीता तोमर ने
कार्यक्रम की रूपरेखा से
अवगत कराते हुए केन्द्र
के उद्देश्य एवं गतिविधियों
पर प्रकाश डाला। विराष
प्रधान वैज्ञानिक सीमेप
डॉ. संजय कुमार ने
सुगंधित घासों के उत्पादन
की उन्नत कृषि क्रियाओं

पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत ३६,००० हेवटेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाया है। इसी क्रम में सौंपैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा केमैलिल की उत्पादन की उन्नत कृषि कियाओं पर तथा केन्द्र की विरिष वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कुछकों की आर्थिक समुद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर

जानकारी साझा की। सोमैये
के राम प्रवेश यादव ने
कालमेघ एवं सतावर के
उत्पादन की उन्नत कृषि
पद्धति के विषय में
जानकारी दी। डॉ. अनीता
तोमर ने कृषकों की
आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन
को लगाने तथा उससे होने
वाले लाभ पर व्याख्यान
दिया। अतिम सत्र में
सोमैये पक्के डॉ. रमेश कुमार
श्रीवास्तव ने फलों से
अगरबत्ती बनाने की
जानकारी देते हुए महिला
प्रतिभागियों को अगरबत्ती
बनाने हेतु प्रशिक्षित

किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधाशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी.शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्दि कुमार के साथ १०० से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना: अनिल शर्मा

► पाडिला में औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित

तिजारत संवाददाता



प्रयागराज। भा. वा. अ.शि.प.-पारिस्थितिक मुन्ह सुखापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सैंसेसआई आर.-सोसीटी, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधार में शुक्रवार को सैंसेसआई आर.-एसोसिएशन यित्र परीक्षण के अन्तर्गत तथा सिडल-सह-परियोजना के कोशल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसन्धान प्रयोगशाला, पड़िला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चीफ गेस्ट व केंद्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपरिख्यात प्रतिभावितों को संबोधित करते हुए बहारी मुख्य अतिथि कुमार सरामा ने

मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से संभव होगा। केन्द्र की वैष्णव बैज्ञानिक डा. अनीता तोमर ने आपोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अधिकारी कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं अविभायिक प्रयोग इलाला। वारपंथ विभाग

वैज्ञानिक, सीमेपै, डॉ. संजय कुमार ने सुधारित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए। उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोपीय विशेषज्ञों के अंतर्गत 36000 हेक्टर पर सुधारित क्षेत्रफल में सुधारित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी काम के लिए विशेषज्ञ कर्मचारी विश्वविद्यालय ने गतालं

जिरीनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृपि कियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृपकों की आर्थिक सम्पुद्धि हेतु सदवहार की खेती विषय पर जानकारी साझा की। सीमेप के राम प्रवेश यात्रा ने कालमेघ एवं केवलियम के उत्पादन की उन्नत कृपि पद्धति के विषय पर जानकारी दी। डॉ. अनुभा तोमर

एरोमा मिशन परियोजना एवं सिड्बी सह परियोजना अंतर्गत कौशल सह प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

धरवड़ प्रयागराज

शुक्रवार को धरवड़ अन्तर्गत अनुसंधान पीथशाला केंद्र पड़िला में एरोमा मिशन के तहत किसानों को कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम तहत औषधीय एवं सुगंधित पौधों से किस प्रकार से अपने स्वर्व से एक स्वर्व रोजगार का अवसर प्रदान कर अपना जीविकोपार्जन भी कर सकते हैं एवं एक अच्छे ज्यापार भी कर सकते हैं जिसमें कई प्रकार के पौधों को बारे में बहु ही विस्तार से बताया गया।

वहाँ मौदीरों आदि में फूल पत्ती चढ़ाने के उपर्युक्त उसे किस प्रकार से उपयोग कर उसका अग्रवत्ती बनाते हैं कई महिलाओं को कार्यक्रम के दीरान ही अग्रवत्ती बनाने का सफल प्रशिक्षण सांचित पाया गया। उपस्थित सभी से आश्रम किया की जो भी महिलाएं हैं घर पर रहती हैं वह अपने घर पर रहते हुए इस अग्रवत्ती बनाते हुए अपना एक स्वर्व का स्वर्व रोजगार बना सकती हैं वहाँ वहाँ किसानों को कई प्रकार के महत्वपूर्ण पौधों की खेती कर एक अच्छा व सफर ज्यापार किया जा सकता है जो अच्छा ज्यापार सांचित हो सकता है। दीप प्रस्तुति कर कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ करते हुए सभी अतिथियों को होर पौधे भेट के रूप में देते हुए उनका सम्मान बढ़ाया। सी. एस. आई. आर. एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों“ विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पीथशाला, पडिला प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अंतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाचार्ह, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्ञवलन के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आवेदित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा कौशल विकास के साथ आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है।



से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अंतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य शूद्धिता के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत प्रशिक्षितकों तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं को सहभागिता से संबद्ध होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आवेदित कार्यक्रम की कृपारेखा से अवगत करते हुए, केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है।

संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दी। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उपादान की उत्तर कृषि कियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि के आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार के उत्तर कृषि सतावर के उपादान की उत्तर कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषि को सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अग्रवत्ती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को अग्रवत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पीथशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विधिन औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्द कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध चात्र उपस्थित रहे।

कृषि कियाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है जिसमें कृम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उपादान की उत्तर कृषि कियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि के आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार के उत्तर कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषि को सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अग्रवत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पीथशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विधिन औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्द कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध चात्र उपस्थित रहे।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज आ. गा. अ. शि. प. - परिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज, तथा सी. एस. आई. आर. - सीमैप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23.08.2024 को सी. एस. आई. आर. - एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजना के अंतर्गत “आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों” विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पीथशाला, पडिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य अंतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर, नाचार्ह, प्रयागराज, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिक गण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्द कुमार के संजय द्वारा दीप प्रज्ञवलन

के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिड्बी सह-परियोजना के अंतर्गत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यों को अंतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है। उपस्थित प्रतिभागियों को सहभागिता से संबद्ध होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आवेदित कार्यक्रम की कृपारेखा से अवगत करते हुए, केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है।

संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दी। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उपादान की उत्तर कृषि कियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि के आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार के उत्तर कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषि को सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अग्रवत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पीथशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विधिन औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्द कुमार के संजय द्वारा दीप प्रज्ञवलन



के साथ आरम्भ हुआ। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है। उपस्थित प्रतिभागियों को सहभागिता से संबद्ध होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने आवेदित कार्यक्रम की कृपारेखा से अवगत करते हुए, केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है।

संभव होगा। केन्द्र की वरिष्ठ सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दी। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उपादान की उत्तर कृषि कियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि के आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार के उत्तर कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ. अनीता तोमर ने कृषि को सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अग्रवत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पीथशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विधिन औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डॉ. शुक्ला, रतन गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मन्द कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध चात्र उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों के बारे में दी जानकारी



वन अनुसंधान केंद्र की पड़िला पौधशाला में औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर आयोजित कार्यशाला में जुटे विज्ञानी। • हिन्दुस्तान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। वन अनुसंधान केंद्र की पड़िला पौधशाला में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के विषय पर एक दिनी कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को हुआ।

वन अनुसंधान केंद्र व सीएसआईआर लखनऊ की ओर से हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने एरोमा मिशन परियोजना व सिडबी सह-परियोजना

के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों से कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप, डॉ. संजय कुमार ने भी जानकारी दी। सीमैप के डॉ. रमेश

कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, राम प्रवेश यादव आदि मौजूद रहे। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने के विषय में जानकारी दी। मुख्य अतिथि असिस्टेंट जीएम नाबार्ड अनिल कुमार शर्मा, सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकों व केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सी.एस.आई.आर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के अन्तर्गत ''आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों'' विषय पर एक दिवसीय कौशल सह तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नाबार्ड, प्रयागराज सीमैप के प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्याक्रियों और संस्थाओं की

सहभागिता से सम्भव होगा।

केन्द्र प्रमुख डॉ.सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने

संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उत्तर कृषि क्रियाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36,000 हेक्टर से अधिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा

कृषकों की आर्थिक समुद्दिष्ट हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से अगरबत्ती बनाने की जानकारी देते



बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं सुगंध पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप डॉ.

दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ.रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उत्तर कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समुद्दिष्ट हेतु सदाबहार की खेती पर जानकारी साझा की।

सीमैप के राम प्रवेश यादव ने कालमेघ एवं सतावर के उत्पादन की उत्तर कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी। डॉ.अनीता तोमर ने

हेतु महिला प्रतिभागियों को अगरबत्ती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थित प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा कराया गया। जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी.शुक्ला, रत्न गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि. स.)।

भा.वा.आ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज तथा सी.एस.आई.आर.सीमैप लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सी.एस.आई.आर एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के अन्तर्गत ‘आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुगंध पौधों’ विषय पर एक दिवसीय कौशल सह तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नाबाड़, प्रयागराज सीमैप वे प्रधान वैज्ञानिकगण एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि औषधीय और सुगंधित पौधों की मूल्य श्रृंखला के हर चरण का समर्थन करने वाला एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संस्थाओं की सहभागिता से सम्भव होगा।

केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने स्वागत भाषण में आयोजित कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए एरोमा मिशन परियोजना तथा सिडबी सह परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को औषधीय एवं संगम पौधों की खेती के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में वृद्धि करना तथा कौशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोत्तरी के अवसर प्रदान करना है।

केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए केन्द्र

के उद्देश्य एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सीमैप डॉ. संजय कुमार ने सुगंधित घासों के उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि भारतवर्ष में एरोमा मिशन के अंतर्गत 36,000 हेक्टेयर से अर्थिक क्षेत्रफल में सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में सीमैप के डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि क्रियाओं पर तथा केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती पर जानकारी साझा की।

ए एवं सुगृही पीढ़ी विषय पर एक लिखित प्रलिङ्गण कार्यक्रम का आनंद पोधराला, पड़िला, प्रगांगाराज में अतिथि अनिल कुमार शर्मा, नावाहार, प्रगांगाराज, सीमैपे के प्रधान प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा दीप भट्टा। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने इस कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए तथा सिंडबी सह-परियोजना के मुख्य उम्हें बताया कि कार्यक्रम का ओपीडीय एवं सांगी पीढ़ी के लेती तथा उनकी आय में बढ़िक करना है माध्यम से आय में बढ़ावीरा के मुख्य अतिथि अनिल कुमार शर्मा ने सम्पूर्णित करते हुए कहा कि पीढ़ी की मूल्य धूतला के हर चरण एक मजबूत पारिस्थितिक तंत्र बनाना हो और संसाधारों की सहायता से विदेशी डॉ. अनिल तोपर ने लपेत्ता से अवगत करते हुए केन्द्र व प्रकाश डाला। विदेशी प्रधान द्वारा कुमार ने सुनापित धारों के वियापारों पर विस्तृत चर्चा करते हुए, वे एसोशिएशन के अंतर्गत का क्षेत्रफल में सुनापित फसलों की बात है। इसी क्रम में सीमैपे के डॉ. गुलाब, जिरेविय तथा केमोलिं की वियापारों पर तथा केन्द्री की विदेशी सहायता ने कृषकों की आर्थिक समुद्धि विषय पर जानकारी साझा की। वे कालभेष एवं सतावर के विद्युति के विषय में जानकारी दी। वियापारों की आर्थिक समुद्धि हेतु चन्दन में यांत्रे लाल भर पर व्याख्यान दिया। डॉ. रमेश कुमार श्रीआस्तर ने फूलों विषय में जानकारी देते हुए महिला बनाने हेतु प्रशिक्षित किया।

पौधाशाला भ्रमण दैनिक भालोक
या, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों
दी गई। कार्यक्रम में फैन्डू की
द दुर्बु, वरिच्छ, तकनीकी अधिकारी
गुप्ता, तकनीकी सहायक भर्मेन्द्र
अधिक कृषक एवं शोध छात्र

Page 1 of 1



भा.या.अ.रि.प.-पारिच्छितिक पुनरुत्थापन के फैलू, प्रयागराज तथा
सी.एस.आई.आर.-सीमेप, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में
दिनांक 23.08.2024 को सी.एस.आई.आर.-एरोमा मिशन

परियोजना तथा सिड्डी सह-परियोजना के अन्तर्गत “आवाहक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सुरक्षा पौधों” विषय पर एक दिवसीय काशैल-सह-तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की अनुसंधान पौधाशाला, पटिला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम मूल अतिथि अग्रिम कुमार शर्मा,

प्रसिर्टेट जनरल मैनेजर, नावारा, प्रयागराज, सीमेप ने प्रधान कैशनिंग गण एवं केन्द्र प्रमुख हों। संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्ञानपत्रक के साथ अराम हुआ। केन्द्र प्रमुख हों, सिंह ने स्थान भाषण में आयोजित जनराजन पर चर्चा करते हुए एरोपा विशन परियोजना तथा सिड्डी सह-परियोजना के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य किसनी को ओषधीय एवं सांख्यीयों की लेनी के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आय में मुद्दित करना है तथा कोशल विकास के माध्यम से आय में बढ़ोतारी के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अधिविधि अनिल कुमार शर्मा ने उपस्थित प्रतिभागियों को सम्मोहित करते हुये कहा कि

ओपरेटिंग और सुधारित पोर्टों की मूल्य थ्रेलाका के हर घरणा का समर्थन करते वाला एवं मनजूट पारिस्थितिकी त्रीत बनाना आवश्यक है, जो व्यक्तियों और संसाधनों की सहायता से संभव होगा। केन्द्र के गवर्नर डेजानिक डॉ. अनुमा लोमर ने आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करते हुए केन्द्र के उद्देश एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विश्व प्रधान डेजानिक, सीमेप, डॉ. संजय कुमार ने सुधारित पार्टों के उत्पादन की उन्नत कृषि विधायाओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में ऐसोमा मिशन के अंतर्गत 36000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में सुधारित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम से मीटिंगेके डॉ. समेत कुमार श्रीवास्तव ने गुलाब, जिरेनियम तथा कैमोमिल की उत्पादन की उन्नत कृषि विधायाओं पर तथा केन्द्र की विश्व डेजानिक डॉ. अनुमा श्रीवास्तव ने कृषकों की आर्थिक सम्बद्धि

हेतु सदाचारकी की खोली विधय पर जानकारी साझा की।
सीमेपे के राम प्रवेश यादव के कालमध्ये एवं सदाचार के
उपायन की उन्नत कृषि पद्धति के विषय में जानकारी दी।
डॉ. अनीता तोमर ने कृषकों की आर्थिक समुद्देश हेतु बन्दन
को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया।
अंतिम सत्र में सीमेपे के डॉ. रमेश कुमार श्रीसत्यन से फूलों
से अग्रसर्वती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला
प्रतिभागियों को अग्रसर्वती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया।

उपस्थित प्रतिभागीयों को योग्यतालाल मध्यम दैज़ानिक अलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न और धर्मीय योगीयों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में फैन्ड की वारिएट कैज़ानिक डॉ. कुमुद द्वारा, वरिएट तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुभला, तत्त्व गुप्ता, तकनीकी सहायक पर्सन्ड-कुमार के साथ 100 से अधिक कुछ एवं शोध छात्र उपस्थित रहे।



हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स

प्रयागराज, शनिवार, 24 अगस्त, 2024

औषधीय एवं सुगंध पौधों पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किसानों की आर्थिक समृद्धि में चंदन का पेड़ सहायक हो सकता है- डॉ० अनीता तोमर

कृषकों की आर्थिक समृद्धि हेतु सदाबहार की खेती लाभदायक - डॉ० अनुभा श्रीवास्तव



कार्यालय संवाददाता

प्रयागराजा भा. आ. शि. पा.
परिस्थितिक पुनर्जीवन केन्द्र,
प्रयागराज आई.आई.आर. -सी.पी.ए.
लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में
सी.ए.आई.आर.एमा मिलन
परियोजना तथा शिड्डी सह-
परियोजना के अन्तर्गत “आर्थिक
रूप से महत्वपूर्ण औद्योग्य एवं सांसारिक
पौदों” विषय पर एक दिवसीय

कनीकी प्रशिक्षण
आयोजन केन्द्र की
प्रधाशाला, पडिंग्टन
देखा गया। कार्यक्रम
अनिल कुमार शर्मा
ल मैनेजर, नावार्ड,
सीमेप के प्रधान
वर्तमान केन्द्र प्रमुख डॉ.
राजा दीप प्रज्ञवलन
हुआ। केन्द्र प्रमुख
स्वागत भाषण में

आयोजित कार्यक्रम हुए एरोमा मिशन स्टिडिक्सी सह-परिवर्तन उद्देश्यों पर प्रकाश बताया कि कायांक उद्देश्य किसानों की संगठन पौधों की जागरूक करना में वृद्धि करना है ताकि के माध्यम से आवसर प्रदान व

डॉ. अनीता तोपर ने काकोंकी की अधिक समुद्रि हेतु चन्दन को लगाने तथा उससे होने वाले लाभ पर व्याख्यान दिया। अंतिम सत्र में सीधे पके डॉ. रेखेश कुमार श्रीवास्तव ने फूलों से आगरबती बनाने के विषय में जानकारी देते हुए महिला प्रतिभागियों को आगरबती बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपस्थिति प्रतिभागियों को पौधशाला भ्रमण वैज्ञानिक आलोक यादव के द्वारा कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधीय पौधों की व्याधाहरिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद द्वारा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुल्का, तत्व गुरुता, तकनीकी सहायक पर्मद्वा कुमार के साथ 100 से अधिक कृषक एवं शोध छात्र उपस्थिति रहे।

ଓঁ পদ্মোৎসব পৌষ্টি পর নন্দিতি পরিষেবা কর্তব্যে করা আয়োজন

七

किसानों की आर्थिक समृद्धि में संदर्भ में पेड़ सहायता हो सकता है। दूसरा उत्तम समय वित्तीय सुधार की लेही लाभदायक सदस्यालय की ओर से दिया जाएगा।

भा. चा. क्र. ५. - सार्वस्थितिक पुनर्जीवन केन्द्र, प्रधानमंत्री तथा सम. अंग. आ. - संघीय, लक्षणक में के संपूर्ण तत्वाधान समीपीयोंने तथा सिद्धीयों सहित योग्यता के अन्तर्गत "अधिक स्पष्टीयोंने के अन्तर्गत" विषय पर एक दिवसीय विषय पर व्यापक व्यापक विवाह सम. - तकनीकी प्रश्नाओं को उल्लेख किया है।



स्ट्री प्रजातीले कुर सारंगम का शास्त्रम करते मुख अड़ती



कार्यक्रम में उपरिकृत तोग

सौभग्य के गम प्रवेश यादव ने कालमणेर एवं मातार के उत्तरान की उन्नत कृति पढ़ी के विषय में जानकारी दी। तो, अगती तोमर ने कृष्ण गुहों को अधिक समर्पित होने चाहने को लगाने गए उससे हीने चाहते तथा पर्यायान दिया। अगली सर वे सीधे के ती, सेवा कुमार श्रीवास्तव ने पूलों से अगवानी बनाने के विषय में जानकारी देते हुए मीहाला प्रतिभागियों को आगवानी बनाने हेतु प्रशिक्षित किया। उपर्युक्त प्रतिभागियों को पौष्ट्राला भगव वैज्ञानिक अलंक यादव के हाथ कराया गया, जिसमें विभिन्न औपर्युक्त वौयों को व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केवल कीरणी वैज्ञानिक ती, कुमुद देव, यश्वित तकनीकी अधिकारी ती, एस. डी. शुक्ला, राम गुरु, तकनीकी समायक धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कार्यक पर्याय छात्र उपस्थित हुए।

करणीय गयी, जिसमें विभिन्न औपचार्य पौधों की व्याकरणिक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में केन्द्र की विशिष्ट धैत्रीयिक डॉ. कुमार द्वारे, चालिंग तकनीकी अधिकारी डॉ. पृष्ठ. डॉ. घुड़ा, राम गुरा, तकनीकी समाकार धर्मेन्द्र कुमार के साथ 100 से अधिक कार्यकर्ता एवं शोध उपस्थिति दाते।

